जनसम्पर्क कार्यालय : एमपी पावर मैनजमेंट कंपनी लिमिटेड, जबलपुर

समाचार

पारेषण क्षमता 3890 मेगावाट से बढ़कर हुई 15100 मेगावाट, अर्थात 258 प्रतिशत की वृद्धि

प्रदेश की पारेषण हानि हुई न्यूनतम स्तर 2.71 प्रतिशत

जबलपुर, 12 फरवरी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने बताया कि प्रदेश की अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की 31 दिसंबर 2017 तक कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता 55087.5 एमवीएस, अति उच्चदाब लाईनों की कुल लंबाई 32900.71 सर्किट किलोमीटर एवं अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की कुल संख्या 339 हो गई है। वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान कंपनी द्वारा 17 नए उपकेन्द्रों का निर्माण कर उन्हें ऊर्जीकृत किया गया एवं कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता में 4067 एमवीए की वृद्धि की गई। इसी प्रकार वर्ष 2016-17 की अवधि में पारेषण क्षमता 15100 मेगावाट हो गई है, जो कि कंपनी गठन के समय 3890 मेगावाट थी। अत: पारेषण क्षमता में कंपनी गठन के पश्चात् 258 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2017-18 हेतु कुल 2396.5 एमवीए ट्रांसफार्मेशन क्षमता, जिसमें 1083 एमवीए के 12 नए उपकेन्द्रों का ऊर्जीकरण, वर्तमान उपकेन्द्रों में 1313.5 एमवीए की क्षमता वृद्धि एवं 1311 सर्किट किलोमीटर लाइनों का निर्माण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से 31 दिसंबर 2017 तक कंपनी ने कुल 531.32 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइन एवं 8 नए उपकेन्द्रों को स्थापित कर, क्षमता में 1671.5 एमवीए की वृद्धि की है। वर्ष 2017-18 में माह दिसंबर 2017 तक 22 अति उच्चदाब उपकेन्द्रों में स्थापित पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का कार्य किया जिससे कुल 1032.5 एमवीए की क्षमता वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त 36 केवी 12 एमवीएआर क्षमता के 25 केपेसिटर बैंकों को ऊर्जित किया गया, साथ ही 9 नग 132 केवी रेल्वे ट्रेक्शन फीडरों को भी ऊर्जित किया व एनटीपीसी गाडरवारा के सुपर थर्मल पावर स्टेशन हेतु लाईनों का कार्य भी समय से पूर्व किया गया।

ट्रांसमिशन कंपनी ने जानकारी दी कि एडीबी योजना-तीन के अंतर्गत विभिन्न उच्च दाब उपकेन्द्र एवं पारेषण लाईन के निर्माण हेतु टर्न-की कार्यादेश किए गए हैं, जिनका कार्य प्रगति पर है। कंपनी के गठन के पश्चात् पारेषण हानि 7.93 प्रतिशत से लगातार घट कर वर्ष 2016-17 में 2.71 प्रतिशत अब तक के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। वर्ष 2017-18 के दौरान 28 दिसबर को 9.30 बजे पारेषण प्रणाली क्षमता 12240 मेगावाट की अधिकतम मांग की आपूर्ति की गई। वर्ष 2016-17 में पारेषण प्रणाली की उपलब्धता मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग के 98 प्रतिशत के निर्धारित मापदण्ड से अधिक 98.39 प्रतिशत तक प्राप्त की गई।

132 केवी छिंदवाड़ा-खापास्वामी लाईन के 2 टावर क्षेत्र में आए चक्रवात, आंधी-तूफान के कारण धराशाई हुए टावरों को रात-दिन कार्य कर केवल 76.30 घंटों में नए टावर पुर्नस्थापित कर लाईन को ऊर्जीकृत किया गया।

ट्रांसमिशन कंपनी ने जानकारी दी कि नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन की स्थापित क्षमता में निरंतर वृद्धि के अनुकूल इन नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन केन्द्रों को प्रणाली में संयोजित किया गया एवं इनकी परिवर्तनशील प्रवृत्तिको सामंजस्य करते हुए बिना किसी व्यवधान के प्रणाली संचालन किया गया। वर्तमान में पवन ऊर्जा 2427.91 मेगावाट तथा सौर्य ऊर्जा 1274.085 मेगावाट की स्थापित क्षमता है। सिंक्रोफेसर तकनीक पर आधारित यूनिफाइड रियल टाइम डायनामिक स्टेट मेजरमेंट परियोजना की स्थापना का कार्य सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

समाचार क्रमांक: 108/2018

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी